



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 12 जनवरी, 2004/22 पौष, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त चम्बा, जिला चम्बा (हि० प्र०)

कार्यालय आदेश

चम्बा-176310, 24 दिसम्बर, 2003

संख्या पंच-चम्बा (263) 5 (15)-1561-70.—जैसा कि श्रीमती श्यामा देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत चहूत के विरुद्ध शिकायत की जांच के उपरान्त पाया गया कि श्रीमती श्यामा देवी, प्रधान ने गांव कपई के रास्ते का निर्माण स्वीकृत स्थान पर नहीं करवाया है।

उक्त के अन्तर्गत इस कार्यालय के पत्र संख्या पंच-चम्बा (263) 5 (15)-1306-1310, दिनांक 20-10-2003 द्वारा कारण बताओ नोटिस दिया गया था, जिसमें उन्हें 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था। परन्तु उनका उत्तर विहित अवधि के भीतर प्राप्त नहीं हुआ।

अतः मैं, राहुल आनन्द, उपायुक्त चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (2) के अधीन प्राप्त शक्तियों के अन्तर्गत श्रीमती श्यामा देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत चूहन को प्रधान पद से निलम्बित करता हूँ। यदि उनके पास पंचायत का कोई अभिलेख, धन या सम्पत्ति है तो उसे पंचायत सचिव को सौंपने का आदेश देता हूँ।

कारण बताओ नोटिस

चम्बा, 24 दिसम्बर, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा-176310-1550-58.—चूंकि श्री जरम सिंह, प्रधान ग्राम पंचायत गडाना, के विरुद्ध रास्ता निर्माण कार्य खोला के निर्माण में अनियमितता पाई गई, की जांच खण्ड विकास अधिकारी के पत्र संख्या 4330, दिनांक 1-12-2003 द्वारा प्राप्त हुई है जिसमें जांच के उपरान्त निम्न तथ्य उनके विरुद्ध पाए गए हैं :—

1. यह कि रास्ता निर्माण कार्य खोला के निर्माण के लिए राशि मु0 22,225/- रुपये व्यय पंचायत अभिलेख में दर्ज है जबकि तकनीकी सहायक की मूल्यांकन रिपोर्ट अनुसार कार्य की पैमाईश राशि 16,597.00 रुपये की है तथा दिनांक 23-10-2003 को रास्ते का मौका पर निरीक्षण के समय रास्ते पर डाला गया सीमेंट ताजा लग रहा था। जबकि अभिलेख अनुसार यह कार्य मास फरवरी, 2003 को हुआ है। जिससे स्पष्ट होता है कि कार्य का व्यय मास फरवरी, 2003 को डाला है व कार्य 9 मास के बाद करवाया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि उन्होंने उक्त कार्य में अनियमितताएं की हैं तथा राशि 5628/- रुपये का दुरुपयोग किया है।

अतः मैं, राहुल आनन्द, उपायुक्त चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (1) (2) के अधीन प्राप्त शक्तियों के अन्तर्गत श्री जरम सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत गडाना को कारण बताओ नोटिस दिया जाता है कि वह उपरोक्त के बारे में अपना उत्तर 15 दिनों के भीतर-भीतर इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, यदि उनका उत्तर विहित अवधि में प्राप्त नहीं होता तो यह समझा जाएगा कि वह उक्त बारे कुछ नहीं कहना चाहते, तथा आगामी विभागीय कार्यवाही करने पर बाध्य होना पड़ेगा, जिसका उत्तरदायित्व उनका होगा।

राहुल आनन्द,
चम्बा, जिला चम्बा,
हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मशाला (हि0 प्र0)

अधिसूचना

धर्मशाला, 18 दिसम्बर, 2003

संख्या : पंच-के0 जी0 आर0 (निर्वाचन)-1/2000-1369-1502.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 126 एवं हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) निमम, 1997 के नियम 124 के अन्तर्गत प्रदत्त

शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, डा 0 श्रीकान्त बाल्दी (भा 0 प्र 0 से 0) उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम तिथि 23-10-2003 के अनुसार सम्पन्न पंचायत पदाधिकारियों के उप-निर्वाचन परिणाम की अधिसूचना निम्न सारणी के अनुरूप जन-साधारण की जानकारी हेतु प्रकाशित करता हूँ।

क्र 0 सं 0	विकास खण्ड का नाम	ग्राम पंचायत का नाम	वार्ड नं 0	पद	निर्वाचित सदस्य का नाम व पता
1	2	3	4	5	6
1.	कांगड़ा	रजियाणा खास	—	प्रधान	श्री राम लाल पुत्र श्री सरन दास, गांव व डाकघर रजियाणा खास, तहसील व जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	पन्तेहड़ पास	—	उप-प्रधान	श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री कर्म चन्द, गांव व डाकघर पन्तेहड़ पास, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	ढगवार	2	सदस्य	श्री देव राज पुत्र श्री बेली राम, गांव व डाकघर ढगवार, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	नन्देहड़	2	सदस्य	श्री भुपेन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रमात्मा सिंह, गांव व डाकघर नन्देहड़, तहसील व जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	नन्देहड़	4	सदस्य	श्री जगदीश चन्द पुत्र श्री प्रताप चन्द, गांव कोट कवाला, डा 0 नन्देहड़, तहसील व जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	सोंकणी-दी-कोट	3	सदस्य	श्रीमती लीलो देवी पत्नी श्री धनी राम, गांव खड़ोता, डाकघर खनियारा, तहसील व जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	राजल	5	सदस्य	श्रीमती रेखा देवी पत्नी श्री भीम सिंह, टिक्का भारथा, डाकघर राजल, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	पलेरा	5	सदस्य	श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री जल्लू राम, गांव व डाकघर पलेरा, तहसील व जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	झिकली-ईच्छी	6	सदस्य	श्री नन्द लाल पुत्र श्री सन्त राम, गांव व डाकघर झिकली ईच्छी, तहसील व जिला कांगड़ा।
2.	रैत	हरनेरा	3	सदस्य	श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र श्री रघुवीर सिंह, गांव व डाकघर हरनेरा, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा।

1	2	3	4	5	6
	रैत	—	3 कुठारना	पं० सदस्य	श्री सुमन कुमार पुत्र श्री उजल राम, गांव दली, डाकघर कुठारना, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा।
3.	बैजनाथ	—	14 ननाहर	पं० सदस्य	श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री सन्त राम, गांव ननाहर, डाकघर कमलहड़, तहसील तालमपुर, जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	—	23	पं० सदस्य	श्री देव राज पुत्र श्री चैतन्य राम, गांव वनवाड़, डाकघर दियोट, तहसील मुल्थान, जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	खाड़ानाल	1	सदस्य	श्री दुर्गा सिंह पुत्र श्री चेत राम, गांव व डाकघर खाड़ानाल, तहसील बैजनाथ, कांगड़ा।
	—उक्त—	फटाहर	1	सदस्य	श्री मदन लाल पुत्र श्री दिवाना, गांव करनाथ, डाकघर फटाहर, तहसील बैजनाथ, जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	हरेड	3	सदस्य	श्री दीना नाथ पुत्र श्री सुखिया राम, गांव घूलोट, डाकघर हरेड, तहसील बैजनाथ, जिला कांगड़ा।
4.	नगरोटा सूरियां	नगरोटा सूरियां	7	सदस्य	श्री संजय पुत्र श्री रजिन्द्र कुमार, गांव व डाकघर नगरोटा सूरियां, तहसील ज्वाली, जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	पनालथ	7	सदस्य	श्रीमती सरला देवी पत्नी श्री दलबीर सिंह, गांव पनालथ, डाकघर हरसर, तहसील ज्वाली, जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	भटेहड़	1	सदस्य	श्रीमती सुषमा देवी पत्नी श्री निर्मल सिंह, गांव चन्दुआ, डाकघर भटेहड़, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा।
5.	नगरोटा वगवां	कलेड	—	उप-प्रधान	श्रीमती रक्षा देवी विधवा स्व० भण्डारी लाल, गांव पौड़, डा० रौखर, तहसील व जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	रौखर	—	उप-प्रधान	श्री त्रिलोक राज पुत्र श्री माधो राम, गांव व डाकघर रौखर, तहसील व जिला कांगड़ा।

2	3	4	4	6
नगरीटा बगवां	नरवाणा खास	6	सदस्य	श्री संजय कुमार पुत्र श्री जगत राम, गांव व डाकखाना नरवाणा, तहसील धर्मनाला, जिला कांगड़ा।
—उक्त—	कनेड़	6	सदस्य	नामांकन पत्र न भरने के कारण उप-चुनाव न हो सका।
6. प्रागपुर	सरड़ डोगरी	—	प्रधान	श्री जगीर सिंह पुत्र श्री नौधा राम, गांव सरड़ डोगरी, उप-तहसील रक्कड़, जिला कांगड़ा।
—उक्त—	गुडारा चपलाह	2	सदस्य	श्री रघुनाथ सिंह पुत्र श्री रण सिंह, गांव व डाकघर चपलाह, उप-तहसील रक्कड़, जिला कांगड़ा।
—उक्त—	कौलापुर	3	सदस्य	श्री शम्भू राम पुत्र श्री गिलू राम, गांव कौलापुर, उप-तहसील रक्कड़, जिला कांगड़ा।
7. नूरपुर	भिन्ना	—	प्रधान	श्री नरेश कुमार पुत्र श्री प्रकाश चन्द, गांव भटोली, डाकघर लख्ख, तहसील नूरपुर, जिला कांगड़ा।
—उक्त—	थोड़ा भलून	5	सदस्य	श्री सुभाष चन्द पुत्र श्री गोपाल दास, गांव भलून, डा0 थोड़ा, तहसील नूरपुर, जिला कांगड़ा।
—उक्त—	नेरना	1	सदस्य	श्रीमती किरण रेखा पत्नी श्री राकेश कुमार, गांव पं0खरा, डाकघर राज-का-तालाब, तहसील नूरपुर, जिला कांगड़ा।
—उक्त—	नेरना	4	सदस्य	श्रीमती विद्या देवी पत्नी श्री करतार चन्द, गांव सुअल, डा0 राज-का-तालाब, तहसील नूरपुर, जिला कांगड़ा।
8. इन्दौरा	राजाखासा	3	सदस्य	श्री वनराम सिंह पुत्र श्री वरियाम सिंह, गांव व डा0 राजाखासा, तहसील इन्दौरा, जिला कांगड़ा।
—उक्त—	द्रीजीखास	4	सदस्य	श्री चमन लाल पुत्र श्री रुड़ राम, गांव लारथ, डाकघर रामनगर, तहसील इन्दौरा, जिला कांगड़ा।

1	2	3	4	5	6
	इन्दौरा	गगवाल	9	सदस्य	श्री प्रदीप सिंह पुत्र श्री रणजीत सिंह, गांव व डाकघर भदरोआ, तहसील नूरपुर, जिला कांगड़ा।
9.	लम्बा गांव	जगरूपनगर	5	सदस्य	श्रीमती ब्रह्मी देवी पत्नी श्री वैसी राम, गांव व डाकघर जगरूपनगर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा।
	-उक्त-	ढण्डोल	2	सदस्य	श्रीमती सत्या राणा पत्नी श्री अर्जुन सिंह, गांव घघोल, डाकघर ढण्डोल, तहसील वैजनाथ, जिला कांगड़ा।
	-उक्त-	गन्दड़	3	सदस्य	श्री माधड़ राम, पुत्र श्री घपल राम, गांव गन्दड़, डा0 मरेरा, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा।
	-उक्त-	मैला	3	सदस्य	श्री भोटा राम, पुत्र श्री बलैली राम, गांव व डा0 मैला, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा।
	-उक्त-	मोलग	12	१० सं० सदस्य	श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री होशियार सिंह, गांव व डा0 हारसी, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा।
	-उक्त-	वलोह	3	सदस्य	श्री शेर सिंह पुत्र श्री मशर्द राम, गांव वलोह, डा0 साईं, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा।
	-उक्त-	जालग	1	सदस्य	श्री सन्तोष कुमार पुत्र श्री रुखड़ राम, गांव व डा0 जालग, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा।
10.	फतेहपुर	हाड़ा	—	प्रधान	श्री सुशील कुमार पुत्र श्री राम रखा, गांव हाड़ा, डा0 व तहसील फतेहपुर, जिला कांगड़ा।
	-उक्त-	रियाला	—	प्रधान	श्रीमती कूलबीप कौर पत्नी श्री श्रवण, गांव जटवली, डा0 रियाली, तहसील फतेहपुर, जिला कांगड़ा।
	-उक्त-	बहादपुर	9	सदस्य	श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री रमेश चन्द, गांव भटोथी, डाकघर बहादपुर, तहसील व जिला कांगड़ा।

1	2	6	4	5	6
	फतेहपुर	झुखवास	5	सदस्य	श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री बाबू राम, गांव खुखनियाड़ा, डा0 कन्दौर, तहसील फतेहपुर, जिला कांगड़ा।
1.	पंचरुखी	पठियाखार	—	प्रधान	श्री रवि कुमार पुत्र श्री विशम्बर दास, गांव पुरानी पलम, डा0 सूंगल, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	मकौल	—	उप-प्रधान	श्री सुभाष चन्द पुत्र श्री हरि सिंह, गांव व डा0 मकौल, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	भिरड़ी	—	उप-प्रधान	श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री रूप लाल, गांव व डाकघर चडियार, तहसील बैजनाथ, जिला कांगड़ा।
12.	भवारना	लाहला	1	सदस्य	श्री मिमि राम पुत्र श्री शोभन राम, गांव गदियाड़ा, डा0 लाहला, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	बड़सर	4	सदस्य	श्री किशोरी लाल पुत्र श्री मेहर चन्द, गांव खाती, डाकघर जिया, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा।
	—उक्त—	विन्द्रावन	8	सदस्य	श्री कर्म चन्द पुत्र श्री ज्ञान चन्द, गांव गदियाड़ा, डाकघर सिद्धपुर सरकारी, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा।
13.	सुलह	—	5 पं0 स0 सदस्य कुरल		श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री पोहलो राम, गांव भेड़ी, डाकघर कुरल, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा।

कार्यालय आदेश

धर्मशाला, 1 जनवरी, 2004

संख्या पंच-के0 जी0 आर0-91/2002-1-6.—चूँकि श्री कुलदीप सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत गंगथ होने के साथ-साथ विक्रेता कृषि सेवा सहकारी सभा दि0 अटाडा रवड घरोह का कार्य भी कर रहे हैं।

और चूंकि श्री कुलदीप सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत गंगथ को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (छ) के अन्तर्गत इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-के0 जी0 आर0-91/2002-3947-48, दिनांक 31-5-2003 द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

और उप-प्रधान, ग्राम पंचायत गंगथ द्वारा दिनांक 7-6-2003 को दिये गये स्पष्टीकरण में उन्होंने यह कार्य कमीशन पर किया जाना स्वीकार किया है तथा इस तथ्य की पुष्टि पंजीयक सहकारी समार्षे नूरपुर ने अपने पत्र संख्या 5-333-98-1557 दिनांक 14-8-2003 के अन्तर्गत सूचित किया है कि श्री कुलदीप सिंह, उप-प्रधान के ग्राम पंचायत गंगथ दि0 अटाडा रपड घरोह कृषि सेवा सहकारी सभा समिति में बतौर सभा के विक्रेता के पद पर दिनांक 20-8-1991 से कार्यरत है वह वर्ष के कुल व्यापारिक लाभ का 50 प्रतिशत भाग कमीशन के रूप में प्राप्त कर रहे हैं।

और क्योंकि श्री कुलदीप सिंह उपरोक्त अधिनियम के अन्तर्गत उप-प्रधान के पद पर बने रहने के लिए अयोग्य हो गये हैं।

अतः मैं, श्रीकान्त बाल्दी (भा0 प्र0 से0) उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (छ) के अन्तर्गत श्री कुलदीप सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत गंगथ को पद पर बने रहने के लिए अयोग्य ठहराने का विनिश्चय करता हूँ तथा उक्त पद को उपरोक्त अधिनियम की धारा 131 (4) के अन्तर्गत तुरन्त रिक्त घोषित करता हूँ।

धर्मशाला, 1 जनवरी, 2004

संख्या पंच के0 जी0 आर0-91/2002-—चूंकि श्री अर्जुन दास, पंचायत सदस्य, ग्राम पंचायत धीरा, होने के साथ-साथ विक्रेता/सचिव कृषि सेवा सहकारी सभा धीरा का कार्य भी कर रहे हैं;

और चूंकि श्री अर्जुन दास, पंचायत सदस्य ग्राम पंचायत धीरा को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (छ) के अन्तर्गत इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-के0 जी0 आर0-91/2002-5363-65, दिनांक 5-8-2003 द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था;

और पंचायत सदस्य ग्राम पंचायत धीरा द्वारा दिनांक 11-8-2003 को दिए गए स्पष्टीकरण में उन्होंने यह स्वीकार किया है कि मैं सचिव विक्रेता के रूप में कार्य कर रहा हूँ तथा पंचायत में भी सदस्य हूँ व सहकारी सभा धीरा मुझे प्रति मास 900/- रु0 वेतन देती है;

और क्योंकि श्री अर्जुन दास उपरोक्त अधिनियम के अन्तर्गत पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिए अयोग्य हो गए हैं;

अतः मैं, श्रीकान्त बाल्दी (भा0 प्र0 से0) उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (छ) के अन्तर्गत श्री अर्जुन दास पंचायत सदस्य, ग्राम पंचायत धीरा को पद पर बने रहने के लिए अयोग्य ठहराने का विनिश्चय करता हूँ। तथा उक्त पद को उपरोक्त अधिनियम की धारा 131 (4) के अन्तर्गत तुरन्त रिक्त घोषित करता हूँ।

श्री कान्त बाल्दी,
उपायुक्त,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग

अधिसूचना

कुल्लू, 24 दिसम्बर, 2003

संख्या एफ0डी0एस0 (एल0 आई0 सी0) 17-93/-7839-7889.—इस कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या एफ0डी0एस0 (एल0 आई0 सी0) 17-93/7042-98, दिनांक 24-11-2003, जो दिनांक 25-11-2003 को असाधारण राजपत्र में प्रकाशित हुई है की निरन्तरता में तथा हिमाचल प्रदेश जसाखोरी एवं मुनाफाखोरी निरोधक आदेश, 1977 की धारा 3 (1) (ई) के अन्तर्गत उक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, आर0डी0 नजीम भा0प्र0से0, जिला दण्डाधिकारी, कुल्लू, जिला कुल्लू उक्त अधिसूचना की अनुसूची में दर्ज वस्तुओं के परचून/थोक भाव आगामी दो मास तक लागू रखने के आदेश देता हूँ।

आर0 डी0 नजीम (भा0 प्र0 से0),
जिला दण्डाधिकारी,
कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

शिमला, 27 दिसम्बर, 2003

संख्या पी0सी0एच0-एस0एम0एल0 (रिक्त पद) 17640-44.—यह कि पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत जुडु शिलाल, विकास खण्ड चौपाल की रिपोर्ट अनुसार श्री शेर सिंह, जार्ड सदस्य जुडु शिलाल, ग्राम पंचायत जुडु शिलाल का देहान्त दिनांक 17-4-2003 को हो चुका है और खण्ड विकास अधिकारी चौपाल ने पत्र संख्या सी0बी0 (आक0 रिक्तियां)/2003-2157, दिनांक 4-12-2003 के अन्तर्गत सदस्य पद ग्राम पंचायत जुडु शिलाल को रिक्त करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, एस0के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (4) के अन्तर्गत विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री शेर सिंह, सदस्य, ग्राम पंचायत जुडु शिलाल, विकास खण्ड चौपाल के सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

शिमला, 27 दिसम्बर, 2003

संख्या पी0सी0एच0-एस0एम0एल0 (रिक्त पद) 8/2003-17335-39.—यह कि पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत जोड़ना, विकास खण्ड चौपाल की रिपोर्ट अनुसार श्री चेत राम, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत जोड़ना का देहान्त दिनांक 29-3-2003 को हो चुका है और खण्ड विकास अधिकारी चौपाल ने पत्र संख्या सी0बी0 (आक0 रिक्तियां)/2003-2157, दिनांक 4-12-2003 के अन्तर्गत उप-प्रधान पद ग्राम जोड़ना को रिक्त करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, एस0के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (4) के अन्तर्गत विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री चेत राम, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत जोड़ना, विकास खण्ड चौपाल के उप-प्रधान पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

कारण बताओ नोटिस

शिमला-1, 1 जनवरी, 2004

संख्या पी0 सी0 एच0-एस0 एम0 एल0 (दो बच्चे) 2002.—एतद्वारा श्री रेहम तुला, सदस्य ग्राम पंचायत पुजारली, विकास खण्ड चौपाल, जिला शिमला (हि0प्र0) का ध्यान हि0प्र0 पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 122(1) में हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 19 द्वारा अन्तः स्थापित खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो निम्नतः है:—

कोई व्यक्ति पंचायत का पदाधिकारी चुने जाने या होने के लिए निरहित होगा, “यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान हैं, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान हैं, जब तक उसकी उक्त एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती”।

यह कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम का संख्यांक-18) 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा धारा-122 के खण्ड (ण) का प्रावधान भी 3 जून, 2001 से पूर्णतः प्रभावी होता है, अर्थात् 8 जून, 2001 अथवा इसके पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी की इस प्रावधान को लागू होने से पूर्व दो या दो से अधिक जीवित सन्तान हैं तथा उक्त प्रावधान के लागू होने के पश्चात् यदि कोई अतिरिक्त सन्तान उत्पन्न होती है तो यह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत पुजारली की रिपोर्ट अनुसार तथा खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड चौपाल से प्राप्त सूचना अनुसार आपके दिनांक 17-10-2002 को चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है, जिसके इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर में दर्ज है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अंतर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस0 के0 वी0 एस0 नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री रेहम तुला, सदस्य ग्राम पंचायत पुजारली को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधानों अनुसार उनके पद से हटा कर ग्राम पंचायत पुजारली के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

शिमला-1, 1 जनवरी, 2004

संख्या पी0 सी0 एच0-एस0 एम0 एल0 (दो बच्चे) 2002.—एतद्वारा श्रीमती राजिन्द्रा देवी सदस्या ग्राम पंचायत रुसलाह, विकास खण्ड चौपाल, जिला शिमला (हि0प्र0) का ध्यान हि0प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) में हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 19 द्वारा अन्तः स्थापित खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो निम्नतः है:—

कोई व्यक्ति पंचायत का पदाधिकारी चुने जाने या होने के लिए निरहित होगा, “यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान हैं, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख

पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान है, जब तक उसकी उक्त एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती”।

यह कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000 (2000 का अधिनियम, संख्यांक-18) 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा धारा-122 के खण्ड (ण) का प्रावधान भी 8 जून, 2001 से पूर्णतः प्रभावी होता है, अर्थात् 8 जून, 2001 अथवा इसके पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी की इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व दो या दो से अधिक जीवित सन्तान हैं तथा उक्त प्रावधान के लागू होने के पश्चात् यदि कोई अतिरिक्त सन्तान उत्पन्न होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि ग्राम पंचायत सचिव ग्राम पंचायत रुसलाह की रिपोर्ट अनुसार तथा खण्ड विकास अधिकारी विकास खण्ड चौपाल से प्राप्त सूचना अनुसार आपके दिनांक 2-4-2002 को चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है, जिसका इन्द्राज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर में दर्ज है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्रीमती राजिन्द्रा देवी, सदस्या ग्राम पंचायत रुसलाह को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधानों अनुसार उनके पद से हटाकर ग्राम पंचायत रुसलाह के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर दिया जाए। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

एस0 के0 बी0 एस0 नेगी,
उपायुक्त, शिमला,
जिला शिमला (हि0 प्र0)।

